ये अव्यक्त इशारे

निर्मल और निर्मान बन विश्व नव-निर्माण करो

14-07-2023

जैसे वृक्ष के लिये कहते हैं जितना भरपूर होगा उतना झुका हुआ होगा तो जैसे वृक्ष का झुकना सेवा करता है। ऐसे ही निर्मान आत्मायें सबको सुख देने की सेवा करेंगी। जहाँ भी जायेंगी, जो भी करेंगी वह सुखदायी होगा। जितना स्वमान उतना निर्मान। ऐसे नहीं – हम तो ऊंच बन गये, दूसरे छोटे हैं या उनके प्रति घृणा भाव हो, यह नहीं होना चाहिए।

Be humble and construct the new world

For a tree it is said: the fuller it is, the more it will bow down. So, just as the bowing down of a tree serves everyone, in the same way, humble souls will do the service of giving everyone happiness. Wherever they go and whatever they do, they will be bestowers of happiness. To the extent that you have self-respect, to that extent you also have humility. Let it not be: I have become elevated and the others are still juniors. Let there not be feelings of dislike for them.